

Registered
No. C. 853

জঙ্গিপুত্র সংবাদের নিয়মাবলী

বিজ্ঞাপনের হার প্রতি সপ্তাহের জন্য প্রতি লাইন ৫০ নয়া পয়সা। ২. দুই টাকার কম মূল্যে কোন বিজ্ঞাপন প্রকাশিত হয় না। স্থায়ী বিজ্ঞাপনের দর পত্র লিখিয়া বা বয়ং আসিয়া করিতে হয়।

ইংরাজী বিজ্ঞাপনের চার্ক বাংলায় বিত্তন

সডাক বাবির মূল্য ২. টাকা ২৫ নয়া পয়সা

নগদ মূল্য ছয় নয়া পয়সা

শ্রীবিনয়কুমার পণ্ডিত, রঘুনাথগঞ্জ, মুর্শিদাবাদ

জঙ্গিপুত্র সংবাদ

সাপ্তাহিক সংবাদ-পত্র

বহরমপুর এক্সরে ক্লিনিক

জল গম্বুজের নিকট

পাঃ বহরমপুর ঃ মুর্শিদাবাদ

জেলার প্রথম বেসরকারী প্রচেষ্টা

★ বিশেষ যত্ন সহকারে রোগীদের এক্সরের সাহায্যে রোগ পরীক্ষা করিয়া ব্যবস্থা করা হয়।

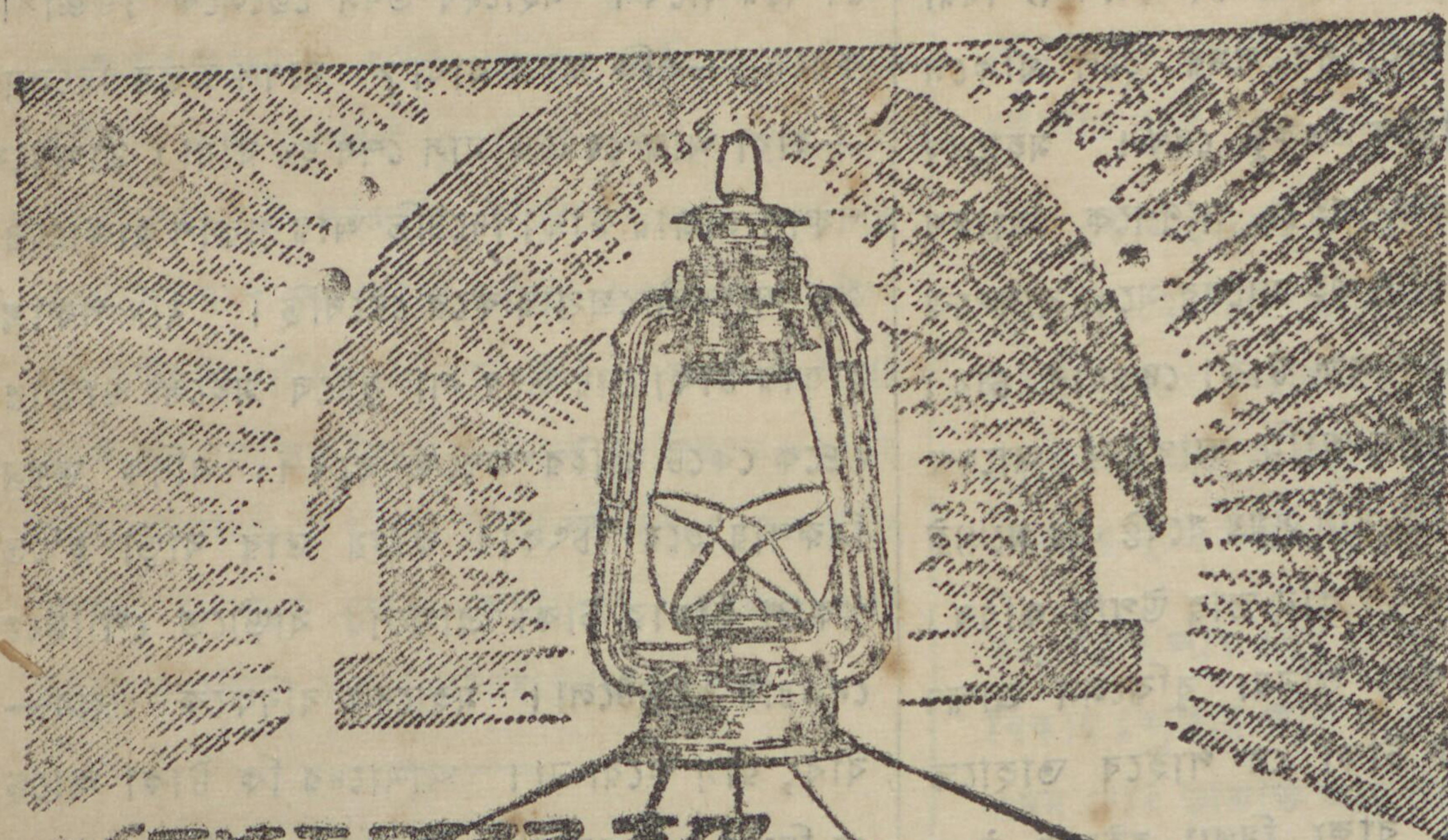
★ যথা সম্ভব কাজ করা আমাদের বিশেষত্ব।

★ কলিকাতার মত এক্সরে করা হয়।

★ দিবারাত্রি খোলা থাকে।

জেলাবাসীর সহায়ভূতি ও সহযোগিতা প্রার্থনীয়।

৪৬শ বর্ষ } রঘুনাথগঞ্জ, মুর্শিদাবাদ—৯ই ভাদ্র বুধবার ১৩৬৬ ইংরাজী 26th Aug. 1959 { ১৫শ সংখ্যা



সকল ঘরের তরে...

দ্যাক্সি লাইট

গুরিয়েন্টাল মেটাল ইণ্ডাস্ট্রিজ লিঃ ৭৭, বহুবাজার স্ট্রিট, কলিকাতা ১২

C. P. Sanyal

নিজের ও পেটের পোড়ায়
কুমারেশ

মনোমত

সুন্দর, সুস্তা আর মজবুত

জিনিস যদি চান তা হ'লে

আরতির

“রাণী রাসমণি”

শাড়ী ও ধুতি কিনুন।

কাপড়কে সব দিক থেকে আপনাদের পছন্দমত

করার সকল যত্ন সত্ত্বেও যদি কোন ত্রুটি

থাকে, তাহ'লে দয়া ক'রে জানাবেন,

বাধিত হ'ব এবং ত্রুটি সংশোধন

করবো।

আরতি কটন মিলস্ লিঃ

দাশনগর, হাওড়া।

হাতে কাটা

বিশুদ্ধ পৈতা

গণিত-প্রেমে পাইবেন।

সৰ্বভোয়া দেবেভোয়া নমঃ।



জঙ্গিপুৰ সংবাদ

২ই ভাদ্ৰ বুধবাৰ সন ১৩৬৬ সাল।

“কপালং কপালং কপালং হি মূলং।”

—

সম্প্ৰতি জৰ্নৈক স্বল্পবিঘ্ন পল্লীবাসী লটাৰী খেলায় প্ৰায় লক্ষ টকা পাইয়াছেন—এই সংবাদ প্ৰকাশ কৰিয়া বিখ্যাত সংবাদ পত্ৰে কপালকে বাহাদুৰী দিয়া ঘটনাটি বিবৃত হইতে দেখিয়া আমাদেৰ দাহুৰ কাছে শোনা একটি গল্প মনে পড়িল। গল্পে দেবতাৰ কপাল—ভিক্ষুক ব্ৰাহ্মণেৰ কপাল আৰ একজন ধনবান কুসীদ ব্যবসায়ীৰ অদৃষ্ট পৰিদৃষ্ট হইবে। আমাদেৰ এই হা অন্নৰ দেশে হা অন্নৰ যুগে যদি আমাদেৰ অন্নৰ কাঙাল পাঠকগণ একটু আনন্দ পান, তাই ভাবিয়া গল্পটি বলিতেছি শুধু—

অতি প্ৰাচীনকালে প্ৰসাদপুৰ গ্ৰামেৰ পশ্চিম প্ৰান্তে একটা প্ৰকাণ্ড বট বৃক্ষ ছিল। তাৰ পাশে একটা ভগ্ন মন্দিৰ মধ্যে খুব বড় বড় তিনটি দেবমূৰ্তি ছিল। সবগুলিই শিলামূৰ্তি। লোকে আন্দাজে বলিত—এক একটা মূৰ্তি ১৪।১৫ মণেৰ কম হইবে না।

মন্দিৰেৰ চূড়া ভাঙিয়া গিয়াছে। মন্দিৰ শীৰ্ষে অনেক অশ্বখ ও বটগাছ জন্মিয়া মন্দিৰেৰ স্থাপত্য নয়ন গোচৰ হইতে দেয় না। মন্দিৰেৰ ভিতৰে যে শিলামূৰ্তি তিনটি আছে, তাহাৰ একটা শিবমূৰ্তি, একটা দুৰ্গা ও অটুটি গণেশেৰ মূৰ্তি। গ্ৰামে অনেক কুসীদ ব্যবসায়ী ধনবান বণিকেৰ বাস। ব্ৰাহ্মণ কয়েক ঘৰ না থাকা নয়। তাৰ মধ্যে এক ভিক্ষাজীৱী দ্বিজদম্পতি সকলেৰ অবহেলাৰ পাত্ৰ হইয়া দেবমন্দিৰেৰ ত্ৰিমূৰ্তি দেবতাৰ মতই অভুক্ত অবস্থায় দিনপাত কৰেন। সारादिन भिक्षा करिया ब्राह्मण या संग्रह करेन, ताई थेके सामाग्र चाउल दोकाने दिया त७परिवर्ते सामाग्र आतप

त७ल, एकटु गुड लईया, कयेकटि फुल विषपत्र संग्रह करिया आनास्ते मन्दिरे प्रवेश करिया सर्वजन अवहेलित देवमूर्तिगुलिर उद्देशे मन्त्रपूत करिया गुडसह त७ल ७ फुल विषपत्रे अञ्जलि दिया गृहे गिया ब्राह्मणीर रक्षन शेष हईले ताई उदरे दिया स्वामी स्त्रीते स्तुतिवृत्ति करेन।

एकदिन ब्राह्मण ताँहार प्रदत्त उपकरण देवतादेर अर्पण करिया मन्दिर हईते बाहिर हईया गेलेन। एमन समये ग्रामेर सर्वश्रेष्ठ बणिक ग्रामान्तरे सुदरेर टाका आदाय करिया मन्दिरेर पार्श्ववर्ती रास्ता दिया ग्रामे प्रवेश करिबार समय सुनिलेन—दुर्गा महादेवके बलिदेछेन—देख प्रतु এই ग्रामे बहु कोटिपति लक्षपति आछे, केउ आमामेदेर कोन तल्लास करे ना। এই गरीब भिक्षाजीवी ब्राह्मण तृतीय प्रहरे आसिया प्रतुह यथासाध्य दिया थाय। तूमि भोलानाथ, सब समय तुले थाकले चले कि? एर दिके एकटु देख। महादेव दुर्गा कथाय लज्जित हईया गणेशके आदेश करिलेन—बस गणपति এই मासेर मध्ये ब्राह्मणके धेमन करेई हउक एक लक्ष टाका देओयाई चाय। गणेश पिताके बलिलेन आमि आपनार आदेश पालन करिब बाबा एक मास समय यथेष्ट एर मध्येई लक्ष टाका याहाते ब्राह्मण पान तार उपाय करिब। बणिक देवतादेर कथा सुनिया बुबिलेन ब्राह्मण এই मासेर मध्ये लक्ष टाका ये पाईवे ताहाते सन्नेह नाई। देव वाक्य मिथ्या हईबार नय। देवतादेर कथा सुनिया तार व्यवसा बुद्धि जागिया उठिल—मने मने कज्जना करिल—ब्राह्मण निःस्व हईलेओ धार्मिक। आमि आज ब्राह्मणेई अग्र केह व्यापारति जानिबार आगेई ठाकुरेरेर এই मासेर आय पक्षाश हजार टाकाय किनिया लईब। ओर वाडीते आजई रात्रिते पक्षाश हजार टाका पौछाईया दिया बलिब—ठाकुर मशाई, एक मास पर এই टाका आपनार आर आपनि ए मासे या पाबेन ता आमार।

ब्राह्मण—तूमि कि पागल हयेछ सारादिन मुष्टि भिक्षा निये एक सेर ना हय देउ सेर चाल निये फिरि। बणिक जुलुम करिया बलिब—बेश तो चाल या पाबेन ता आपनि निबेन। आर या

पाबेन ता आमामे दिते हवे। ब्राह्मण अगत्या राजि हलेन। बणिक रोजई ताँर सङ्गे सङ्गे फिरते लागलो। आज त्रिंश दिनेर दिन निश्चय ठाकुर लक्ष टाका पाईबेनई। बणिकेर निर्देशमत धनाट्या ब्याक्तिदेर वाडी गिया दारोयानेन ताडना पाईया रिक्त हस्ते फिरिते लागिल। घरे ये चाल छिल ब्राह्मणी ताई दिया चालाईलेन। बणिक तखन भग्न हदये भग्न मन्दिरेर मध्ये प्रवेश करिया ये गणेश ताँर बाबार काछे आजकेर मध्ये ब्राह्मणके लक्ष टाका दिते प्रतिज्जाबद्ध ताँरई बक्ष्मले पदाघात करिल। गणेशेर गुणु ७ हातेर मध्ये पा प्रवेश कराय एक पा उपरे ७ एक पा नीचे दिया टानाटानि करिते लागिल। दुर्गा शिवके बलिलेन—गणेशेर एक काणु देखतो लोकटा ये मरे यावे। महादेव तखन छेलेके जिज्जासा करलेन—ओकि करछ बाबा? गणेश उतर दिलेन—बाबा आज ये एक मास शेष हय बाबा! ब्राह्मणके पक्षाश हजार टाका दियेछि आर पक्षाश हजारेर जग्न आसामी ग्रेष्ठार करे रेथेछि। यदि पक्षाश हजार टाका देय तवे पा छुटवे नईले डाक्टर डेके केटे बाहिर करते हवे। बणिक तखन निरुपाय हये चिंकार कराय तार वाडी ह'ते पक्षाश हजार टाका ब्राह्मणेर वाडीते पौछिये देओयाय पा छुटलो। महादेव बणिकके बलेन—बाबा, राग करे ना। आमामेदेर कि टाका आछे ये दिब? एर ओर तार काछे निये दिई। तोमार लक्ष टाका किछुई नय। बणिक गणेशके लाथि मारार जग्न प्रणाम क'रे निजेर व्यवसा बुद्धिके धिकार दिते दिते वाडी फिरलो।

संवाद पत्रे २४ परगणा जेलार बजबज पोष्ट अफिसेर जयचण्डीपुर ग्ৰामेৰ শ্ৰীলক্ষ্মণ কৰ্মকাৰেৰ একবার रेजार्स क्रावेर ७ सम्प्रति उडिग्रार एकटा लटाारी खेलाय प्राय नबई हजार टाका पाओयाय এই खबर बाहिर हईया कपाले मूलिकत्व प्रचार हईयाछे। आमामेदेर गल्ले एक बणिक दुराशार जग्न लक्ष टाका लोकसान दिया बेकुव बनिल। लटाारीते कत लोके टाका दिया एक पयसाओ पाय नाई। लक्ष्मण कर्मकारे मनेवाङ्गा पूर्ण हईयाछे। आमामेदेर गल्ले एकजनेर काछे आदाय

করিতে গণেশকে পদাঘাত সহ করিতে হইয়াছে।
গণপতিরও কপাল পণ্ডিতরা বলেন—

“মাতা সুরেশী জনকো মহেশঃ

স্বয়ং গণেশঃ খলু বিস্বহর্তা

স্বমুণ্ডহীনঃ করীমুণ্ডধারী

নিবার্যতে কেন ললাট লেখা ॥”

কর্মকারের কপাল দেখিলেন। এক নবাবের
নাতি সম্মানী লোকের কপাল দেখুন—

জলপাইগুড়ির নবাব জনাব মশাররফ হোসেন
এম-এল-সির দৌহিত্র জনাব গোলাম হালিম ঢাকা
হইতে ট্রেণে কলিকাতায় আসার সময় বড়ই ক্যাসাদে
পড়িয়াছেন বলিয়া সম্প্রতি সংবাদ পাওয়া গিয়াছে।
প্রকাশ, সীমান্ত স্টেশন দর্শনায় পাক-পুলিস জনাব
হালিমকে তল্লাশী করিয়া তাঁহার জুতার ভিতরে
১১ হাজার ২ শত টাকার পাকমুদ্রা নাকি পায়।
অতঃপর তাহাকে নাকি মারধর করিতে করিতে
কুস্তিয়ার এক হাজতে ঢুকাইয়া দেয়। ক্ষুদ্র এক
কুঠুরী সমান ঐ হাজতে তাহাকে প্রায় শতাধিক
লোকের সঙ্গে গাদাগাদি করিয়া একনাগারে ঘণ্টার
পর ঘণ্টা দাঁড়াইয়া থাকিতে হয়। গত ১৮ই আগষ্ট
পাক আদালতের বিচারে জনাব হালিমকে ৮ বছর
সশ্রম কারাদণ্ড ও ২ লক্ষ টাকা জরিমানা অনাদায়ে
আরও ৪ বছর সশ্রম কারাদণ্ডে দণ্ডিত করা
হইয়াছে বলিয়া সংবাদ পাওয়া গিয়াছে।

মোদের বাংলা দেশ

ধন ধাত্ত সকল হারা, জীর্ণ শীর্ণ, অর্ধ মরা
তাহার মাঝে আছে দেশ এক সকল দেশের সেরা!
‘রোগে শোকে’ তৈরী সে যে ‘মৃত্যু’ দিয়ে ঘেরা,
কোথায় খুঁজে পাবে তুমি বল এমন দেশ?
সকল দেশের সেরা সে যে মোদের বাংলা দেশ।

সে যে মোদের বাংলা দেশ।

এমন ‘হুভিক্ষ ও মহামারী’ কোথায় এত করে জারি?
প্লেগ, বসন্ত, কলেরা ও ফ্লু ম্যালেরিয়া,
এমন কোন্ দেশের লোক আছে বল মৃত্যু
আলিঙ্গিয়া?

কোথায় খুঁজে পাবে তুমি.....ইত্যাদি।

কোন্ দেশে হয় বর্ষাকালে!

পথ ঘাট সব ডুবে জলে!

এমন বন্যা হয়ে গ্রামকে গ্রাম, আর কোন্
দেশে যায় ভেসে?

এমন স্বথের ‘অপমৃত্যু’ হয় কি কোন্ দেশে?
কোথায় খুঁজে পাবে তুমি.....ইত্যাদি।

এমন চাকরীর জন্তে লালায়িত, কোন্
দেশের লোক হ’চ্ছে এত?

এম. এ. বি. এ. পাশ করে হয় ফিরে ঘরে ঘরে
সন্ধ্যাবেলা ঘুরে আসে মুখটা মলিন করে।
কোথায় খুঁজে পাবে তুমি.....ইত্যাদি।

এমন কোন্ দেশের লোক ‘কছাদায়ে’

‘বাস্ত ভিটা বাঁধা দিয়ে!’

সমাজ ভয়ে মান বাঁচাতে নিলামে বর কেনে?
বরের বাপ লয় হাসি মুখে নগদ টাকা গ’ণে?
কোথায় খুঁজে পাবে তুমি.....ইত্যাদি।

এমন কোন্ দেশের লোক ‘নকল সাজে’

ঘুরে বেড়ায় সাহেব সেজে।
উঠতে বসতে ইংরাজীতে তুবড়ী ছোট্টে মুখে,
পেটে অন্ন নাই বা জুটুক চেন ঘড়ি চাই বুকে।
কোথায় খুঁজে পাবে তুমি.....ইত্যাদি।

মদ, গাঁজা আর চরস গুলি,

বিকায় কোথায় অলি গলি?

এমন চোর ডাকাত আর পকেটমারা
আছে বা কোন্ দেশে?

এমন কুড়ের বাদসা হ’য়ে কেবা,
কোন্ দেশে রয় বসে।

কোথায় খুঁজে পাবে তুমি.....ইত্যাদি।

এমন ধীরে ধীরে অধঃপাতে,
পারে কোন্ দেশের লোক এগিয়ে যেতে
কোন্ দেশের লোক তাকিয়ে থাকে

পুরের মুখের পানে?

ফুর্জিতে হয় দিন কেটে যায় থেকে অনশনে
কোথায় খুঁজে পাবে তুমি বল এমন দেশ?
হায় বাঙ্গালী, হায় বাঙ্গালী, সকল হ’ল শেষ!

“মোদের গেল বাংলা দেশ!”

হিন্দুর দেব মন্দিরের অবস্থা

গত ২রা ভাদ্র বুধবার তারিখে ‘জঙ্গিপুত্র সংবাদে’
প্রকাশিত প্রতিবাদের উত্তরে জানান যাইতেছে
যে, প্রতিবাদ-দাতার স্বীকৃতি অমুযায়ী চতুঃপার্শ্বস্থ
বারান্দা জীর্ণতা প্রাপ্ত হইয়াছে। স্ততরাং জীর্ণ
বারান্দা দিয়াই বৃষ্টির জল প্রবেশ করিয়া ভিত বসিয়া
যাইতেছে। পূর্ব সংবাদে প্রাচীর গায়ে কোন্
ফাটলের কথা আমি বলি নাই। মন্দিরের বারান্দা
ও মধ্যস্থ মেঝে জীর্ণতা প্রাপ্ত হেতু ইহুর কুলের
গর্ভেই সর্পাদি বসবাস করিয়া পূজারী এবং যাত্রীর
জীবন বিপন্ন করিতেছে। সেবাইত্তর আর্থিক
অসচ্ছলতার কথা একেবারেই ভিত্তিহীন। কারণ
নিঃসন্তান সেবাইত্তরের কমবেশী ৩০/০ বিঘা
ধানী জমি তা ছাড়া শিবোত্তর ধানী জমি ও
মন্দিরের সারাবৎসরের আয় সচ্ছলতার নিদর্শন।
স্বেচ্ছাচারিতা ও জুলুম সঙ্কে বহু প্রমাণ মধ্যে
এখানে তিনটি ঘটনা পরিবেশন করিলাম।

(১) বীরভূম জেলার আন্তরিয়া গ্রাম নিবাসী
শ্রীগোবিন্দগোপাল দাস মহাশয় গত ৮শিব চতুর্দশীর
সময়ে ভোগের মূল্যের সমপরিমাণ দক্ষিণার
প্রতিবাদে প্রতিবাদ দাতার নিকট হইতে কতিপয়
চপেটাঘাত পুরস্কার পাইয়াছেন।

(২) সাগরদীঘি উচ্চ বিদ্যালয়ের শিক্ষক শ্রীযুক্ত
কুমারীশচন্দ্র মুখোপাধ্যায় মহাশয়ের সঙ্গে প্রদত্ত
ভোগের প্রসাদ সংক্রান্ত ব্যাপারে প্রকাশ যে যাত্রীগণ
যে ভোগ নিবেদন করিয়া থাকেন তাহার প্রায়
সমুদয় অংশই মন্দির পরিচালক লইয়া লন।
প্রতিবাদে মুখোপাধ্যায় মহাশয় এর উক্তি “ভোগের
ব্যবস্থা বড় কদর্য। উপবাসীদের প্রসাদ বিলি
হয় না বলিলেই চলে। মোট কথা উহা এখন
Money making machine হয়ে পড়েছে।
ওখানে আমরা আর বোধ হয় যাইব না এবং
আমার মনে হয় বন্তেশ্বর মেলার অধঃপতনের প্রধান
কারণ এই অব্যবস্থা।” চতুঃপার্শ্বস্থ যাত্রী সাধারণ
এই সদ্যবহারেই আকৃষ্ট হইয়া থাকেন—না—রোগ
শোকের যন্ত্রণা নিরসনার্থ বা মানসিক পূরণের জন্ত
শিবের শরণাপন্ন হন।

(৩) মন্দিরের প্রথালুযায়ী কেহ একজোড়া
পাঁঠা বলিদান দিলে কর্তৃপক্ষ পাঁঠা পিছু দশ আনা

হিসাবে দক্ষিণা ও একটি সম্পূর্ণ পাঠা লইয়া থাকেন। কিন্তু নিমতিতা নিবাসী জর্নৈক পূজার্থী ও তাঁহার সহযাত্রী একসঙ্গে একছোড়া পাঠা (প্রত্যেকের একটি করিয়া) বলিদান দিতে আসিলে প্রতিবাদ দাতা শ্রীভূতনাথ চট্টোপাধ্যায় জুলুম পূর্বক তাহাদের একটি সম্পূর্ণ পাঠা দাবি করেন। যাত্রীগণ একজনের ছোড়া পাঠা নয় বলিয়া দিতে অসম্মত হইলে মন্দির প্রাঙ্গণ হইতে 'বলিদান হইবে না' বলিয়া তিরস্কার করিয়া বহিস্কার করিয়া দেন। পরে উপস্থিত যাত্রীগণের মধ্যস্থতায় বলিদান কার্য সম্পন্ন হয়। ইহা কি জুলুমবাজী নয়?

প্রতিবাদ দাতার সহোদর এবং ৬বছর শিব মন্দিরের ভাবী ওয়ারীশ, সরকারী কর্তৃপক্ষগণের নিকট প্রেরিত আবেদন পত্রগুলির সত্যতা স্বীকার করিয়া স্বাক্ষর করিয়াছেন। ইহা কোন প্রতিপত্তিশালী ব্যক্তির আক্রোশের সহায়ক নহে।

চৈত্ৰ সংক্রান্তির সময়ে চড়ক পূজার অস্থলান এবং শিবের গাজন কর্তৃপক্ষের কুপাদৃষ্টির অভাবেই বন্ধ হইয়াছে। স্থানীয় জনসাধারণের উত্থোগে দুই বৎসর যাবৎ চড়ক পূজা এবং গাজন অস্থলিত হইতেছে। ইহাতে মন্দির কর্তৃপক্ষ এক কপর্দকও খরচ করেন না। উপরন্তু যাত্রী সমাগমে আয় করিয়া থাকেন।

চাকরাণ জমি বিক্রয় কবালা রেজেষ্ট্রী হইয়া গিয়াছে এ কথা বলি নাই। বায়নানামা সম্পাদন হইয়াছে। ইহা মাননীয় B. D. O মহোদয়ের নিকট প্রেরিত আবেদন পত্রের তদন্তকারী কক্ষচারী গ্রামসেবক মহাশয় এর তদন্তকালে বায়না নামার লেখক ও স্বাক্ষরকারী সাক্ষীগণের স্বীকারোক্তিতেই প্রমাণিত হইয়াছে। ইহা কি রেজেষ্ট্রী করিয়া লইবার উত্থোগ পর্ব নহে?

নির্দিষ্ট নিয়ম আঘাত মাসেই 'আঘাটা' পূজা অস্থলিত হওয়া কিন্তু উক্ত অস্থলান শ্রাবণ মাসে হওয়া কি স্বেচ্ছাচারিতা নহে? ২৪।১।৫৯

শ্রীনগেন্দ্রনাথ দত্ত

সম্পাদক, দক্ষিণগ্রাম পল্লীউন্নয়ন সমিতি।

এই সম্বন্ধে ভবিষ্যতে কোন বাদানুবাদ প্রকাশিত হইবে না।

—সম্পাদক, 'জঙ্গিপুৰ সংবাদ'

কাঞ্চনতলা হরি সভার চতুর্থ বার্ষিক

শ্রীশ্রীচূর্ণা পূজার আয়-ব্যয়ের হিসাব (১৩৬৫ সাল)

জমা—মোট চাঁদা আদায় ৩৭১৬০ উদ্বৃত্ত জিনিষ বিক্রয় ১, ১৩৬৪ সালের উদ্বৃত্ত মজুত তহবিল ১৫১০ মোট জমা—৩৮৮১০

খরচ—প্রতিমা ২০, প্রতিমার আনুসঙ্গিক ৫১/০ বেদী ও মণ্ডপ নির্মাণ এবং চূর্ণ দেওয়া খরচ ১০১০ চাক বাজ ৩০১০ নিরঞ্জন খরচ ২৬১০ নিমন্ত্রণ পত্র ৩১০ প্রসাদ বিতরণ ২৬১০ আলোক সজ্জা ২, মাইক ভাড়া ৭, নরসুন্দর ও পরিচারক ১৩, পূজার দক্ষিণা ৩৭, পূজার উপকরণাদি ও আনুসঙ্গিক ১২৮১/১০ একুশ খরচ ৩৮৭১০

খরচ বাদে মজুত ৬০১০

শ্রীযামিনীমোহন দাশ, সম্পাদক

শ্রীবিভূতিভূষণ দাশ, এম-এ, বি-এল, সভাপতি
কাঞ্চনতলা হরি সভা পূজা কমিটি।

ভারতীয় নৌবাহিনীর বোম্বাইস্থিত ডক প্রাঙ্গণে

শিক্ষানবিশী নিয়োগ

আবেদনের ফরম জেলা প্রচার অফিস, বহরমপুর হইতে বিনামূল্যে দেওয়া হইবে। মহকুমা প্রচার অফিসগুলিতেও ফরম পাওয়া যাইবে। বিস্তারিত বিবরণ জেলা প্রচার আধিকারিকের নিকট পাওয়া যাইবে। আগামী ১৯২৫ তারিখের পূর্বে আবেদন পত্র কলিকাতাস্থ হেড কোয়ার্টার নিয়োগ কেন্দ্রে পৌছান চাই। —জেলা প্রচার অফিস

অধরচন্দ্র স্মৃতি রানিং কাপ

প্রতিযোগিতা—১৯৫৯

আগামী ১লা সেপ্টেম্বর মঙ্গলবার বাংলা ১৫ই ভাদ্ৰ হইতে জ্যোতকমল গ্রামের উত্তর মাঠে "অধরচন্দ্র স্মৃতি রানিং কাপ প্রতিযোগিতা"র খেলা আরম্ভ হইবে। বিভিন্ন স্থান হইতে অনেক দল এই খেলায় যোগদান করিবেন বলিয়া প্রকাশ।

যুগ্ম

শূণ্য হয়ে গেছে ঘিণে ঘিণে



M.P. ৬৭

যুগ্মের নিকষকালো তিমিরাবরণ ভেসে
করে — যুগ্মজয়ীরদের অমর বাণী
ভেসে আলছে অনিরাণ জ্যোতিতে যুগে
যুগে মানবসভাতাকে বর্ধনকার সঙ্কট
থেকে পরিত্রাণ দিতে। সুক, সক্রটিসু,
শেক সপীর, রবীন্দ্রনাথ — সভ্যতার
বন্দনীর পূজারীর দল আজও আছেন
অক্ষয় আলোকে বেঁচে মানব ইতিহাসের
মণিময় হৃদয়ে। কালের অমোঘ নিষ্কর
হৃদয়ে চূর্ণ বিচূর্ণ হয়ে গেছে অগণিত
ইতিহাসের ভঙ্গুর তুচ্ছ খেলনা, নামহীন
কীর্তিহীন অঙ্ককারের অতলে তলিয়ে
গেছে কত কত সভ্যতার বিজয়োদ্ধত
তোরণ; তবুও সভ্যতার অমরদীপবর্তিকা
হাতে ইতিহাসকে যে এগিয়ে নিয়ে
চলেছে অনল আলোকে, বিচিত্র ধারায়,
নব নব সম্ভাবনার পথে; যুগ্মের যুগ্ম
থেকে যে ছিনিয়ে নিয়ে চলেছে জ্ঞানের
অমৃতভাণ্ডকে ভাবীকালের
মানব বংশীরদের জন্য—সেই মহান উদার,
সভ্যতার সুদৃঢ় অন্যকেউ
নয়, সে আমাদের অতিপরিচয়ের সীমারেখাবন্ধ — কাগজ

স্বপ্ননাথ দত্ত এড মন

স র প্র কা র কা গ জ ও ছা পা র কা লি বি ক্রে জ
"কোমলার ধাম" - ৩৩৪, বিদ্যনট্ট, ৩ ২৭, দিনারগ, ২ট-কলিকাতা; ৩১-১, গট্টাইলি, ঢাকা

পরলোক গমন

গত ৪ঠা ভাদ্র শুক্রবার সন্ধ্যার সময় জঙ্গিপুত্রের ব্যবসায়ী প্রসন্নকুমার পাল মহাশয় পরলোক গমন করিয়াছেন। তিনি মিষ্টভাষী, সদালাপী ও নিরীহ প্রকৃতির লোক ছিলেন। তিনি তিন পুত্র ও এক কন্যা রাখিয়া গিয়াছেন। তাঁহার বয়স ২৭ বৎসর হইয়াছিল। আমরা তাঁহার শোকসন্তপ্ত পরিজন-বর্গের শোকে সমবেদনা জ্ঞাপন করিয়া পরলোকগত আত্মার শান্তি কামনা করিতেছি।

জলে ডুবিয়া বালাকের মৃত্যু

গত ৬ই ভাদ্র রবিবার রঘুনাথগঞ্জ সহরের সন্নিকটস্থ আইলেরউপর গ্রামের শ্রীদরবারী সেখের ৫ বৎসর বয়সের একটি ছেলে জলে ডুবিয়া মারা গিয়াছে।

আসামের রাজ্যপালের তিরোভাব

আসামের রাজ্যপাল সৈয়দ ফজল আলী গত ২২শে আগষ্ট তারিখে হৃদরোগে দেহত্যাগ করিয়াছেন। তাঁহার মৃতদেহ বেনারস লইয়া গিয়া তাঁহার পিতা মরহুম সৈয়দ নাজির আলীর সমাধির পাশে সমাহিত করা হয়।

সবকারী বিজ্ঞপ্তি

যে সকল ব্যক্তি পাবলিক ক্যারিয়ারের পারমিট এবং সে সঙ্গে ষ্টেজ ক্যারেজ, কন্ট্রাক্ট ক্যারেজ ও পাবলিক ক্যারিয়ারের পারমিটের রিনিউয়ালের জন্ত দরখাস্ত করিয়াছেন, তাঁহাদের নামের একটি তালিকা মুর্শিদাবাদের আঞ্চলিক পরিবহন প্রাধিকারের নোটিশ বোর্ডে এবং জেলার প্রত্যন্তবর্তী মহকুমা শাসকদের নোটিশ বোর্ডে টাঙ্গাইয়া দেওয়া হইয়াছে। এই সম্পর্কে কাহারও কোন বক্তব্য থাকিলে তাহা এই বিজ্ঞপ্তি প্রকাশের ৩০ দিনের মধ্যে নিম্নস্বাক্ষরকারী কর্তৃক গৃহীত হইবে। (স্বাঃ) এ, সি, চ্যাটার্জি, সেক্রেটারী, আর, টি, এ, মুর্শিদাবাদ।

পশ্চিম বঙ্গ কি ডেপুটি মুখ্যমন্ত্রী বাহাল হছে?

গুজবের সহস্র মুখ। যে দিন পশ্চিম বাংলার মুখ্যমন্ত্রী ডাঃ রায় ও প্রাক্তন মুখ্যমন্ত্রী ডাঃ প্রফুল্ল ঘোষ (কৃষক প্রজাপাটির অগ্রতম নেতা) অন্ন সমস্তা সম্বন্ধে একযোগে বিবৃতি দিলেন। সেইদিন এই তেলে জলে হঠাৎ মিশ খাওয়া দেখে নানা কথা উঠেছে। ডাঃ ঘোষ নাকি ডাঃ রায় কর্তৃক মন্ত্রিত্ব পদ অধিকারের পর হ'তে এই মন্ত্রিত্বের জন্ত উদগ্রীব কিন্তু যে ডাঃ রায় তাঁহাকে (ডাঃ ঘোষকে) যে মুখ্যমন্ত্রীর পদ হ'তে ঠেলে ফেলে নিজে মুখ্যমন্ত্রী হ'য়ে দীর্ঘকাল গদী দখল করে আছেন তাঁর অধীনে উপ-মুখ্যমন্ত্রী হ'তে রাজি হবেন? এই সন্দেহ অনেকের মনেই উদয় হছে। মুখ্যমন্ত্রীর পদ হ'তে তফাৎ হ'য়ে একবার সাধারণ নির্বাচনে সভ্য নির্বাচিত হ'তে পারেন নি ডাঃ ঘোষ। দেখুন যাদের মন দেশ সেবা ধর্ম্মে মেতে ওঠে তাদের মান অপমান বোধ থাকে না। ভক্তের ধর্ম্ম যেমন "ধেন তেন প্রকারেণ ভজ কৃষ্ণ পদাম্বুজম্"—তেমনি দেশভক্ত দেশ সেবা কার্যে

নিজেকে বিলিয়ে দিয়েছেন। অনেক সেবক দেশের সেবাকার্য্য করিতে বিফল মনোরথ হলেও নিজের পেট (pet—প্রিয়) চালাবার ভাবনা থেকে নিশ্চিত থাকেন। গুন্ডি ডাঃ রায় যেমন কমুনিষ্টদের ভালবাসেন না ডাঃ ঘোষও ঠিক তাই কাজেই জ্যামিতি পড়েছি—যে সকল বস্তু প্রত্যেকে কোন এক বস্তুর সমান তাহার পরস্পর সমান। আবার শোনা যাচ্ছে যে স্পীকার পদ কোন পি. এস. পিকে দিয়ে কংগ্রেসীদের না দিয়ে পক্ষপাত-শূন্য হওয়া ভাল। দেখা যাবে গুজবও তো অনেক সময়ে সত্য হয়। আবার উপ-মুখ্যমন্ত্রী শুধু নয় উপ-মন্ত্রীও হবে পি. এস. পি সম্প্রদায় থেকে। যার বা নসীবে আছে হ'য়ে যাক।



★আই.সি.আই.পেইন্ট
★মৌদীনীপুরের
ভাল মাদুর
★যাবতীয়
ঘানি, হলার
ও ধান
কলের পার্টস্
★ইমারতের যাব-
তীয় সরঞ্জাম।

বিহিতঃ

কুঞ্জ হার্ডওয়ার স্টোর
খাগড়া মুর্শিদাবাদ




দি আর্ট ইউনিয়ন প্রিন্টিং ওয়ার্কস

৫৫৭, গ্রে ট্রাট, পোঃ বিডম ট্রাট, কলিকাতা-৩

টেলিগ্রাম : "আর্ট ইউনিয়ন"

টেলিফোন : শওখানার ৪৩৫

প্রাথমিক, মধ্য ও উচ্চ বিদ্যালয়ের

সাবতীয় করম, রেজিষ্টার, গ্লোব, ম্যাপ, ব্রাকবোর্ড এক

বিজ্ঞান সংক্রান্ত যন্ত্রপাতি ইত্যাদি

ইউনিয়ন বোর্ড, বেক, কোর্ট, দ্রব্য চিকিৎসালয়,

কো-অপারেটিভ ক্লব সোসাইটি, ব্যাল্কেট

সাবতীয় করম ও রেজিষ্টার ইত্যাদি

সর্বদা সুলভ মূল্যে পাওয়া যায়

স্ববার ষ্ট্যাম্প অর্ডারমত যথাসময়ে প্রস্তুত ও ডেলিভারী হয়

আমেরিকায় আবিষ্কৃত

ইলেকট্রিক সলিউশন

— দ্বারা —

মহা মানুষ বাঁচাইবার উপায়ঃ—



আবিষ্কৃত হয় নাই সত্য কিন্তু যাহারা জটিল
রাগে ভুগিয়া জ্যান্টে মরা হইয়া রহিয়াছেন,
স্বায়িক দৌর্ভাগ্য, যৌবনশক্তিহীনতা, স্বপ্নবিকার,
প্রদর, অজীর্ণ, অন্ন, বহুমূত্র ও অগ্নাশ্রু প্রস্রাবদোষ,
বাত, হিষ্টিরিয়া, স্মৃতিকা, ধাতুপুষ্টি প্রভৃতিতে অব্যর্থ
পরীক্ষা করুন! আমেরিকার সুবিখ্যাত ডাক্তার
পেটাল সাহেবের আবিষ্কৃত তড়িৎশক্তিবলে প্রস্তুত

ইলেকট্রিক সলিউশন' ঔষধের আশ্চর্য ফল দেখিয়া মন্থমুগ্ধ হইবেন।
প্রতি বৎসর অসংখ্য মুমূর্ষু রোগী নবজীবন লাভ করিতেছে। প্রতি
শিশি ১১০ টাকা ও মাণ্ডলাদি ১০০ এক টাকা তিন আনা।

সোল এজেন্টঃ—**ডাঃ ডি, ডি, হাজরা**

ফতেপুর, পোঃ—গার্ডেনরিচ, কলিকাতা—২৪

শ্রী অঙ্কণ

কমাশিয়াল আর্টিষ্ট ও ফটোগ্রাফার

পোঃ রঘুনাথগঞ্জ — মুর্শিদাবাদ

ফটো তোলা, ফটো ওয়াশ, প্রিন্ট ও এনলার্জ করা, সিনেমা শ্লাইড
তৈরী প্রভৃতি যাবতীয় কাজ এবং নানাপ্রকার ছবি ও সূচীকার্য
সুন্দররূপে বাঁধান হয়।



বিশ্বস্ততার প্রতীক

গত আশী বছর ধরে জবাকুসুম
কেশ তৈল প্রস্তুতকারক হিসাবে
সি, কে, সেনের নাম সবাই
জানেন তাই খাঁটা আমলা তেল কিনতে
হলে সি, কে, সেনের আমলা তেল কিনতে
ভুলবেন না। সি, কে, সেনের আমলা
তেল কেশবর্দ্ধক ও স্নায়ু স্তিমিকর।

সি, কে, সেনের

আমলা কেশ তৈল

(সি, কে, সেন এণ্ড কোং প্রাইভেট লিঃ,
জবাকুসুম হাউস, কলিকাতা-১২)



রঘুনাথগঞ্জ পণ্ডিত-প্রেসে—শ্রী বিনয়কুমার পণ্ডিত কর্তৃক
সম্পাদিত, মুদ্রিত ও প্রকাশিত।